Fourteenth Loksabha

Session : 7
Date : 23-05-2006

Participants : Singh Shri Rajiv Ranjan

>

Title : Need to review the methods of planning for the balanced and alround development of the country.

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : महोदय, आज देश जिस विकास की राह पर चल रहा है उससे एक ओर अरबपति और खरबपतियों की संख्या बढ रही हैं। अभी हाल ही में प्रकाशित समाचार के अनुसार एक साल में 100 से अधिक अरबपति देश में बने हैं पर दूसरी ओर आप देख रहे हैं कि हजारों की तादाद में मेहनतकश किसान को आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्याओं के लिए विवश होना पड रहा है। सरकार का हर ि वभाग और मंत्रालय विदेशी पूंजीनिवेश कराने की दौड में लगा है। विकास की योजनाओं का आधार विदेशी पूंजी निवेश बनाया जा हरा है। विदेशी पूंजी लाभ अर्जित करने के लिए होगी, उसका सामाजिक, आर्थिक उत्थान से कोइ सरोकार नहीं होता। अपने देश को सामाजिक, आर्थिक विकास की आवश्यकता है। अतः विदेशी पूंजी निवेश देश के, समाज के विकास के लिए सार्थक नहीं हो सकती। गत एक दशक से अपनायी गयी नीतियों का परिणाम सामने है, यह असंतुलित विकास का ही परिणाम है कि देश में नक्सलवाद बढता जा रहा है, उसने आतंकवाद को पीछे धकेल दिया है। इस साल जनवरी से अप्रैल तक नक्सलवादियों की हिंसक वारदातें 550 हैं जबकि आतंकवादियों की हिंसक घटनाएं 466 तक पहुंच चुकी हैं।

मेरा आग्रह है कि तत्काल सरकार मौजूदा विकास संबंधी नीति परिवर्तन करे और योजना आयोग की आगामी सभी योजनाएं स्वसाधन, स्वक्षमता व स्वआवश्यकता के आधार पर विकास की संतुलित योजनाएं बनाने का दायित्व सौंपे।